

प्रेषक,

जी०एस०पाण्डे,

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

भेषज विकास इकाई,

देहरादून।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक 4 नवम्बर, 2008।

विषय-जनपद चमोली के कालेश्वर में भेषज भवन निर्माण की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपयुक्त विषयक आपके पत्रांक-940-43/भे०वि०इ०/2008-09 दिनांक-11.07.2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, गोपेश्वर (चमोली) द्वारा जनपद चमोली के कालेश्वर में भेषज भवन निर्माण की स्वीकृति हेतु गठित आंगणन की कुल धनराशि रु०-79.20 लाख के संपेक्ष टी०ए०सी० द्वारा सम्यक परीक्षणोपरान्त संस्तुत रु०-66.57 लाख (रु० छियासठ लाख सत्तावन हजार मात्र) की लागत के संलग्न प्रारम्भिक आंगणन की वित्तीय एवं प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नांकित शर्तानुसार सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- 1- कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/ अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शिड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हैं, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।
- 2- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक, वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी। बिना ऐसी स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाय।
- 3- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व प्रस्तावित कार्य स्थल का मृदा परीक्षण अवश्य करा लिया जाय, तथा मृदा परीक्षण आख्या में दिये गये सुझावों के अनुसार भवन निर्माण कार्य किया जाय।
- 4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है।
- 5- एकमुस्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाय।
- 6- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- 7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लिया जाय। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य कराया जाय।
- 8- आंगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृति की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाये जाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पाई जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 10- निर्माण सामग्री कय करने से पूर्व मानकों एवं स्टोर पर्यवेक्षण नियमों का पालन कड़ाई से किया जाय।
- 11- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-2047/XIV-219/2006 दिनांक-30 मई, 2006 द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का कार्य कराने समय अथवा आंगणन गठित करते समय कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

ह

-2/-

- 11- उक्त स्वीकृत धनराशि मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भेषज विकास इकाई के माध्यम से सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को बैंक ड्राफ्ट/चैक द्वारा नियमानुसार उपलब्ध कराई जायेगी।
- 12- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय में विभागीय अनुदान संख्या-29 के लेखाशीर्षक-2401-फसल कृषि क्रम-00-आयोजनागत-119 बागवानी एवं सब्जियों की फसलें-17-00-भेषज विकास इकाई का ढाँचागत विकास की उप मानक मद 24 बृहद निर्माण से किया जायेगा।
- 13- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-171(P)XXVII-4/2008, दिनांक-11 सितम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(जी०एस०पाण्डे)
अपर सचिव।

संख्या- 1625 /XVI/08/7(43)/2008, तददिनांक:

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग मजरा, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, गोपेश्वर (चमौली)।
3. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन।
4. परियोजना प्रबन्धक, उत्तराखण्ड पेयजल निर्माण निगम, गोपेश्वर (चमौली)।
5. जिलाधिकारी, चमौली।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

१

आज्ञा से,
(जी०एस०पाण्डे)
अपर सचिव।